

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 9, मिस्र में इज़राइल, प्रारंभिक मूसा

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, सुप्रभात, मसीह की शांति आपके साथ रहे। धन्यवाद। आप परीक्षा के बारे में घोषणाएँ यहाँ देख सकते हैं।

वैसे, मैं यह वादा नहीं कर रहा हूँ कि हर बार परीक्षा इतनी जल्दी वापस आ जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ कि शनिवार को ग्रेडिंग के लिए काफी समय था। मुझे कुछ टिप्पणियाँ, कुछ सुझाव, और इसी तरह की अन्य बातें करने दें। मैंने कई कारणों से परीक्षा में थोड़ा सा बदलाव किया।

एक तो यह कि बिना किसी के ग्रेड थोड़े खराब थे। दूसरा, क्योंकि हमें दो व्याख्यान एक साथ करने थे, और मुझे एहसास हुआ कि इसका मतलब है कि हम वास्तव में कुछ चीजों पर दबाव डाल रहे थे, मैंने सोचा कि मुझे इस संबंध में भी थोड़ा उदार होना चाहिए। इसलिए, इसमें थोड़ा सा उतार-चढ़ाव है।

यह गणितीय रूप से इस तरह से निकाला गया है कि नीचे के लोगों को ऊपर के लोगों से थोड़ा ज़्यादा मिलता है और यह सब। जब आप अपनी परीक्षा में कुछ और देखते हैं, तो वह आपके कच्चे स्कोर में जोड़े गए अंकों की संख्या होती है, जो अब उस पैमाने पर दर्शाए गए प्रतिशत के लिए होती है। जैसा कि आप जानते होंगे, अगर आपने अपना ईमेल पढ़ा है और ब्लैकबोर्ड पर देख रहे हैं, तो मैंने ब्लैकबोर्ड पर कुंजी पोस्ट कर दी है।

तो, जब आपको अपनी परीक्षाएँ वापस मिलें, और कैरी आज किसी समय उन्हें आपके मेलबॉक्स में वापस डालने जा रही है, जब आपको अपनी परीक्षा की उत्तर पुस्तिका वापस मिले, तो ग्रेडिंग की जाँच अवश्य करें। मैं एक इंसान हूँ। मैं गलतियाँ करता हूँ।

अगर मैं थका हुआ हूँ, तो आप जानते हैं, मैं भी हम सभी की तरह ही हूँ। और इसलिए, अगर आपको कोई गलती मिलती है, तो कृपया आकर मुझसे मिलें ताकि हम उसे सही कर सकें क्योंकि मैं नहीं चाहता कि आपके साथ धोखा हो। जिन लोगों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, उनके लिए मैंने आपकी परीक्षा में एक छोटा सा नोट लिखा होगा, जिसमें लिखा होगा, कृपया आकर मुझसे मिलें।

और ऐसा इसलिए नहीं है कि मैं आपके सिर पर तमाचा मारूँ और फिर आपको दरवाजे से बाहर निकाल दूँ। मुद्दा यह है कि हम साथ मिलकर थोड़ी रणनीति बना सकते हैं और शायद ऐसे तरीके खोज सकते हैं जिससे शायद अगली चार परीक्षाएँ आपके लिए इस परीक्षा से थोड़ी बेहतर हो जाएँ। यदि आपने समीक्षा सत्रों का लाभ नहीं उठाया है, तो कृपया उठाएं।

आप उन्हें मददगार पाएंगे, खासकर अगर आपको लगता है कि आप जानकारी से भरे हुए हैं। समीक्षाएँ देखें। वे आपको अगली परीक्षा के लिए चीजों को व्यवस्थित करने में मदद करेंगे।

अपने टेस्ट बचाकर रखें। अंतिम परीक्षा संचयी होती है, और मैं सभी प्रश्न, सभी प्रश्न पुरानी परीक्षाओं से शब्दशः उठाता हूँ। मेरा मतलब है, यह एक उपहार है, है न? अंतिम परीक्षा में केवल एक चीज नई है, वह है चौथी परीक्षा और अंतिम परीक्षा के बीच की इकाई।

बाकी सारी जानकारी पुरानी परीक्षाओं से ली गई है। इसलिए, उन्हें संभाल कर रखें। वे काम आएंगी।

और फिर, बेशक, आप उन्हें अगले साल पढ़ने के लिए छात्रों को बेच सकते हैं। ठीक है। लेकिन कोई बात नहीं।

मैं उन्हें वैसे भी ब्लैकबोर्ड पर पोस्ट करता हूँ। वैसे, यह दूसरी बात है। आप में से जो लोग ब्लैकबोर्ड का अनुसरण नहीं कर रहे हैं, उनके लिए ब्लैकबोर्ड पर हमेशा नमूना परीक्षाएँ होती हैं, ताकि आप सटीक शब्दों के बारे में न सही, बल्कि पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार के बारे में एक अच्छा विचार प्राप्त कर सकें।

तो कृपया इसका भी लाभ उठाएँ। वे सिर्फ इसलिए नहीं हैं कि वे जगह घेरना चाहते हैं। वैसे भी परीक्षाओं का कोई मतलब नहीं होता।

तो, एक और, वास्तव में दो और घोषणाएँ। मैट और कैरी में से कोई भी इस सप्ताह समीक्षा नहीं करने जा रहा है, मुख्यतः इसलिए क्योंकि आज हम केवल एक व्याख्यान देने जा रहे हैं। मैट का व्याख्यान अगले सोमवार रात को फिर से शुरू होगा।

कैरीज़ अगले मंगलवार रात को फिर से शुरू होगा। अब, हमें थोड़ा गाना चाहिए, और हमें कुछ नया गाना चाहिए। आपको याद होगा कि जब मैंने ऐतिहासिक भूगोल इकाई शुरू की थी, तो मैंने जो कुछ किया था, उसके लिए मुझे अपनी आवाज़ बंद करनी पड़ी, वह था भजन 133 पढ़ना और भौगोलिक दृष्टिकोण से इसे समझाना।

क्या आपको हारून के सिर पर तेल, हारून की दाढ़ी, माउंट हेर्मोन की ओस और ऐसी ही अन्य चीज़ों के बारे में याद है? खैर, यह भजन वहाँ बिल्कुल सही बैठता है। यह एक ऐसा भजन है जिसे अगर आप किसी आराधनालय में जाएँ, तो निस्संदेह आप इसे गाते हुए सुनेंगे क्योंकि यह आराधनालय में गाने के लिए एक मज़ेदार, अच्छा भजन है। और कैरी फिर से मेरी मदद करने जा रही है।

और यह कुछ इस तरह है, और हम इसे धीरे-धीरे शुरू करने जा रहे हैं। फिर से, हिब्रू के नीचे एक दर्दनाक शाब्दिक अनुवाद। हिनेई मा तोव उ'मा नैम, शेवेत अचिम गम याचद .

और फिर यह कई बार होता है। फिर से, जब भी आप H के नीचे वह बिंदु रखते हैं, तो यह तरीका है। और यहाँ बताया गया है कि यह कैसे होता है।

वैसे, लाई लाइ लाई का मतलब बिल्कुल भी कुछ नहीं है। यह ला ला कहने जैसा है ला . ठीक है.

हिनेई मा तोव उ'मा नैम , शेवेत अचिम गाम यचद .
हिनी मा तोव उ'मा नैम , शेवेत अचिम गाम यचद .
हिनी मा तोव , हिनी मा तोव ।

लाई लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लाइ लार्ड .
हिनी मा तोव , हिनी मा तोव । लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लाइ लार्ड .

अब, क्या यह मज़ेदार नहीं लगता? झांझ, ड्रम, सब कुछ। ठीक है। चलिए शुरू करते हैं।

साथ में गाओ। साथ लड़ो.
हिनी मा तोव उ'मा नैम , शेवेत अचिम गम याचद .
हिनेई मा तोव उ'मा नैम , शेवेत अचिम गाम यचद .
हिनी मा तोव , हिनी मा तोव । लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लाइ लार्ड .

आपके लिए अच्छा है। क्या आप थोड़ा और तेज़ी से प्रयास करना चाहते हैं? क्या आप इसे फिर से आजमाना चाहते हैं? आपके पास कोई विकल्प नहीं है। हम इसे फिर से करने जा रहे हैं।

हिनेई मा तोव उ'मा नाइम शेवेत अचिम गाम यचद .
हिनी मा तोव उ'मा नाइम शेवेत अचिम गम याचद .
हिनेई मातोव , हिनेई मातोव , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड .
हिनेई मातोव , हिनेई मातोव , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड , लार्ड लार्ड लार्ड ।

ठीक है। बढ़िया। ओह, मैं ऐसा नहीं करना चाहता था। आइए हम मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, हम एक और सप्ताह एक साथ शुरू करते हैं, यह धन्यवाद के साथ है।

यह धन्यवाद के साथ है कि आप हमें यहाँ लाए हैं और हम वास्तव में एक साथ बैठते हैं, एक साथ पढ़ते हैं, एक साथ रहते हैं, एक साथ काम करते हैं, और यह वास्तव में एकता में हो सकता है। हम जानते हैं कि ऐसा करने के लिए हमें आपकी पवित्र आत्मा की उपस्थिति की आवश्यकता है, और इसलिए हम आज इसके लिए प्रार्थना करेंगे। हम उन जगहों के लिए प्रार्थना करते हैं जहाँ दरारें और दरारें हैं, यहाँ तक कि हमारे परिसर समुदाय में भी, जहाँ आप बहाली लाएँ।

हम उन स्थानों के लिए भी प्रार्थना करते हैं, जहाँ हमारी दीवारों के बाहर शत्रुता है, कि आप अपनी आत्मा के द्वारा उन पर विजय प्राप्त करें। हम यरूशलेम की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, खासकर जैसा कि आपने हमें भजन संहिता में करने के लिए प्रोत्साहित किया है। प्रभु, वहाँ शांति हो, झूठी शांति नहीं, बल्कि सच्ची शांति।

और पिता, जैसा कि हम इस दिन को एक साथ शुरू करते हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें अध्ययन करते समय मदद करें, मुझे स्पष्ट रूप से सिखाने में मदद करें, और हम सभी को इस

तरह से सीखने में मदद करें जो आपके लिए फायदेमंद और प्रसन्न करने वाला हो। हम ये बातें मसीह के नाम पर धन्यवाद के रूप में माँगते हैं, आमीन।

खैर, हम आगे बढ़ रहे हैं, और आज हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ है, और इसका एक हिस्सा कालक्रम से संबंधित है, और कालक्रम का संबंध तिथियों से है, और तिथियों का संबंध उन चीजों से है जिन्हें हमें याद रखना है।

अब, इसमें बहुत कुछ नहीं होने वाला है, लेकिन अगर आपने आज के व्याख्यान की रूपरेखा देखी है, तो आप जानते हैं कि मैं आपको मिस्र के इतिहास, राजवंशीय इतिहास का पूरा विवरण और अवलोकन दे रहा हूँ, ताकि हमें यह समझ में आ जाए कि हम कहाँ फिट होने जा रहे हैं, संभवतः, पलायन, मिस्र में इज़राइल का प्रवास और पलायन। और अगर आपने नोट्स को ध्यान से देखा है, तो आप जानते हैं कि इस बारे में कुछ सवाल हैं कि लोग इस घटना को कहाँ से जोड़ते हैं। इसलिए, हम इस पर कुछ समय बिताने जा रहे हैं, और हम सामान्य रूप से मिस्र को देखने जा रहे हैं।

मेरे पास आपको दिखाने के लिए मिस्र की कुछ तस्वीरें हैं। JUC या MESP में जाकर अध्ययन करना आकर्षक है, लेकिन यह यहाँ एक तरह का सबटेक्स्ट है। और फिर घंटे के अंत में, हम निर्गमन 1 से 3 पर भी कुछ समय बिताने जा रहे हैं।

तो यही वो दिशा है जिस पर हम जा रहे हैं। शुरू करने के लिए कुछ सवाल? कुछ मिनट। आपको शुक्रवार को होने वाली परीक्षा के लिए अध्ययन करना था।

हमने क्या सबक सीखा? इन कुलपिताओं की कहानियों से हमने क्या सबक सीखा है? दूसरे शब्दों में, अब्राहम, इसहाक, जैकब और, बेशक, यूसुफ, जो कुलपिता जैकब का बेटा है। क्या कोई खास सबक है? सारा। हाँ, यह अब्राहम की कहानी में विशेष रूप से स्पष्ट है, है न? लेकिन साथ ही, इसहाक में, वह अपने बेटों के साथ चीजों में हेरफेर करने की कोशिश कर रहा है।

बिल्कुल। और रिबका भी। तो, हम देखते हैं, इसे एक शब्द में संक्षेप में कहें तो, लेकिन यह अच्छी तरह से कहा गया था, संप्रभुता।

ईश्वर की संप्रभुता। बेशक, आपके निबंध का प्रश्न इसी के बारे में था। क्या कोई अन्य सबक है जो आपको लगता है कि उत्पत्ति से निर्गमन की ओर बढ़ने के दौरान विशेष रूप से प्रासंगिक है? मैरी।

हाँ, वे लोग हमारे जैसे ही हैं। वे वहाँ छोटे संत नहीं हैं, जैसे हम संत हैं। अब, माना कि हम मसीह में संत हैं, लेकिन मुद्दा यह है कि उनकी अपनी कमियाँ और कमज़ोरियाँ थीं।

और हम देखते हैं कि परमेश्वर कभी-कभी उनके जीवन में उनके बावजूद काम करता है, ठीक वैसे ही जैसे वह हमारे जीवन में काम करता है, कभी-कभी व्यावहारिक रूप से हमारे बावजूद। खैर, हम इस पर और भी बात कर सकते हैं, लेकिन हमें कुछ काम करने हैं। मैं इस बिंदु पर बस एक नोट करना चाहता हूँ।

कभी-कभी सवाल उठते हैं: अच्छा, हम प्राचीन काल के बारे में, क्षमा करें, प्राचीन काल के बारे में, उस समय के समय के बारे में कैसे जानते हैं? और कुछ बातें ध्यान में रखने योग्य हैं। सबसे पहले, मैं इस असीरियन राजा सूची नोट के बारे में एक नोट करना चाहता हूँ। मैं वहाँ बहुत कुछ कह सकता हूँ।

अभी हमें बस इतना ही कहना है। राजाओं की सूचियाँ हैं, राजाओं के नाम हैं, असीरियन राजा हैं, और दिलचस्प बात यह है कि वे सिर्फ सूचियाँ नहीं हैं, बल्कि वे अक्सर उन महत्वपूर्ण घटनाओं का संकेत देती हैं जो उन राजाओं के साथ घटित हुई हैं, है न? और उनमें से एक जो हमारे लिए चीजों की तिथि निर्धारण के मामले में बहुत मददगार है, वह यह है कि 763 में एक ग्रहण हुआ था। अब, यह एक बड़ी खगोलीय घटना है, और इसका उल्लेख राजाओं में से एक के साथ किया गया है।

और क्योंकि हम इसे खगोलीय रूप से तिथि दे सकते हैं, क्योंकि, निश्चित रूप से, खगोलविद पीछे जाकर उन सभी चीजों को देख सकते हैं जो सदियों और सहस्राब्दियों में बहुत नियमित रूप से सामने आती हैं, क्योंकि हम उस ग्रहण को 763 तक तिथि दे सकते हैं, जो हमें असीरिया से लेकर हमारे विशेष क्षेत्र, जो कि निश्चित रूप से इज़राइल है, में सापेक्ष कालक्रम स्थापित करने के लिए एक बेंचमार्क तिथि प्रदान करता है, क्योंकि हमारे दस्तावेजों में असीरियन राजाओं का उल्लेख है। और इसलिए, जैसा कि मैंने कहा, हमारे पास एक अच्छा बेंचमार्क है, जो सभी समस्याओं का समाधान नहीं करता है। सह-शासन और ओवरलैप और इसी तरह के अन्य मुद्दे हैं, लेकिन फिर भी, यह मददगार है।

तो यह पहली बात है जिसे ध्यान में रखना चाहिए। हम वास्तव में तिथि निर्धारण पर कुछ हद तक नियंत्रण कर सकते हैं, यही कारण है कि हम इसके बारे में बात भी कर सकते हैं। दूसरी बात, मिस्र का कालक्रम थोड़ा अधिक रहस्यमय है, अगर आप चाहें, और मिस्र के कालक्रम का पता लगाने की कई अलग-अलग प्रणालियाँ हैं।

जैसे ही मैं मिस्र में राजवंशों और विशेष फिरोन के शासनकाल आदि के संबंध में कुछ प्रकार की अनुमानित तिथियों का उल्लेख करना शुरू करता हूँ, मैं कालक्रम प्रणाली, कालानुक्रमिक प्रणाली का उपयोग करने जा रहा हूँ, जिसका कैम्ब्रिज प्राचीन इतिहास अनुसरण करता है। आपको इसे लिखने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन बस यह पहचानें कि यह एक प्रणाली है। मैं उसी का अनुसरण कर रहा हूँ।

हर कोई इसका पालन नहीं करता। इसलिए, आप संभवतः देखेंगे, यदि आप कहीं और जाते हैं और मिस्र के इतिहास पर किसी अन्य विशेष पाठ को देखते हैं, तो आपको मिस्र के राजवंशीय शासकों के लिए लगभग 15 से 20 वर्षों की तिथियों में कुछ भिन्नता या उतार-चढ़ाव दिखाई दे सकता है। इसलिए, इसे ध्यान में रखें।

अब, आपके लिए एक सवाल है। जब भी हम मिस्र जाते हैं और वहाँ की चीजों को देखना शुरू करते हैं, तो यह सवाल हमेशा सामने आता है, और आप जानते हैं, मिस्र में हर तरह के ग्रंथ हैं।

ऐसा क्यों है कि हमें मिस्र में इजरायल की मौजूदगी का कोई सबूत नहीं दिखता? अगर उन्होंने वहां 430 साल बिताए, तो वहां कुछ भी क्यों नहीं है, जैसा कि निर्गमन अध्याय 12 में बताया गया है? कोई सबूत क्यों नहीं? निर्गमन नामक इस नाटकीय घटना में मिस्र छोड़ने का कोई उल्लेख क्यों नहीं है, चेल्सी? ठीक है, तो जाहिर है क्योंकि यह शर्मनाक है, पूरी तरह से शर्मनाक है, वे इसके बारे में नहीं लिखने जा रहे हैं। यह काफी हद तक समझ में आता है। अच्छा।

और हम इस पर वापस आएं। यह हमारे प्रमुख कारणों में से एक है। और कुछ? बेक्का।

अच्छा। मिस्र ने वास्तव में इजराइल को एक राष्ट्र के रूप में नहीं देखा, वास्तव में, 1220 तक नहीं, जब 19वें राजवंश में एक फिरौन ने वास्तव में इजराइल का उल्लेख किया, और उस समय तक, वे फिर से भूमि पर वापस आ गए थे। यह स्पष्टीकरण का एक हिस्सा हो सकता है।

वे बस उन लोगों के इस व्यापक समूह का हिस्सा हैं जिन्हें गुलाम बनाया गया था। हमारे पास एशियाई लोगों के साक्ष्य हैं। मिस्र के लोग एशियाई लोगों के बारे में बात करते हैं जो उनके दास श्रमिक थे, और आप जानते हैं, कई जगहें हैं जहाँ आपको दीवारों और राहतों पर तस्वीरें मिलती हैं और ऐसी ही अन्य चीजें हैं जो इन एशियाई लोगों को दास श्रमिक के रूप में काम करते हुए दिखाती हैं।

इस्राएली शायद इसका एक छोटा हिस्सा थे। और कुछ? खैर, यहाँ कुछ बातें ध्यान में रखने लायक हैं। ऐसी कई बातें हैं जिन्हें ध्यान में रखना चाहिए।

डेल्टा क्षेत्र, जहाँ मुख्य रूप से इस्राएली बसे थे, फिर से डेल्टा के बारे में सोचें। नील नदी के बहने और कीचड़ के ढेर जमा करने के बारे में सोचें, सदियों से कीचड़ के ढेर। यह किसी भी चीज़ को संरक्षित करने के लिए प्रमुख क्षेत्र नहीं है।

वास्तव में, डेल्टा क्षेत्रों में कुछ स्थलों पर जो खुदाई हुई है, उसमें कुछ चीजें मिली हैं, लेकिन अक्सर, वे कीचड़ से लथपथ होती हैं। इसलिए बहुत कम, शायद कोई संरक्षित आवास नहीं कहा जाना चाहिए, लेकिन बहुत कम संरक्षित स्मारक संरचनाएं हैं। जाहिर है, अगर हम इस तरह की जलवायु के बारे में बात कर रहे हैं, तो पपीरस से बनी कोई भी चीज बहुत पहले ही विघटित हो जाएगी।

और अगले तीन हैं, ठीक है, चलो तीसरे और चौथे को एक साथ रखते हैं। जैसा कि चेल्सी ने सुझाव दिया है, फिरौन कभी भी अपनी हार के बारे में नहीं लिखेंगे। वास्तव में, हमारे पास रामसेस फिरौन में से एक से कुछ सबूत हैं, मुझे याद नहीं है कि यह दो या तीन है, लेकिन मैं वापस जाकर जाँच कर सकता हूँ: प्रमुख फिरौन जो कादेश नामक स्थान पर उत्तर में कुछ दुश्मनों पर जबरदस्त जीत का दावा करता है, जबकि वास्तव में हमारे पास दूसरी तरफ से सबूत हैं जो कहते हैं कि यह उसके लिए एक बहुत बड़ी हार थी, ठीक है? तो इससे हमें उन तरीकों का एक छोटा सा हिस्सा मिलता है जिनके बारे में वे सोचते होंगे।

इससे भी अधिक, शायद हमें दार्शनिक रूप से कहना चाहिए, यहाँ बिंदु चार है। मिस्र की संस्कृति के लिए भी शब्द महत्वपूर्ण हैं। हम ईश्वर के प्रेरित वचन को शक्ति और नाटकीयता

आदि के रूप में देखते हैं, और ऐसा होता भी है। लेकिन मिस्रवासियों के पास शब्दों के बारे में भी यही समझ थी, और मैंने इसे यहाँ संक्षेप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

उनका मानना था कि ये शब्द देवताओं से आए हैं और इसलिए शक्तिशाली हैं। इसमें कुछ समानताएं देखें। अगर कुछ लिखा गया था, तो यह यहाँ दिलचस्प हो जाता है।

अगर कुछ लिखा गया होता, तो वह घटना दोबारा घट सकती थी। इसलिए, अगर मिस्रियों की यह ज़बरदस्त हार होती, तो सारी शर्म और अपमान को एक तरफ़ रख कर, आप इसे नहीं लिखते क्योंकि इसके दोबारा होने की संभावना होती। और फिर, अगर यह लिखा नहीं है, तो ऐसा लगता है जैसे यह हुआ ही नहीं, बस।

अंत में, यदि आप पाँचवें आइटम पर जाएँ, तो यह अब इज़राइल के दृष्टिकोण से सामने आ रहा है और इसे देख रहा है। कोई भी राष्ट्र कोई कहानी नहीं गढ़ सकता, ठीक है? कोई भी राष्ट्र अपनी उत्पत्ति के बारे में कहानी नहीं गढ़ सकता कि वे बंधन और गुलामी में थे। शायद इसमें कहीं न कहीं सच्चाई का कोई सार, कोई मूल, कोई मूल है।

तो, ये सभी बातें मिलकर हमें इस मुद्दे के बारे में कुछ जवाब पाने में मदद कर सकती हैं। अब, हम इस बारे में और भी बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन हमेशा की तरह, हम आगे बढ़ते हैं। क्या यह सब आपको समझ में आता है? इस पर कई अलग-अलग दृष्टिकोण हैं, लेकिन इससे हमें थोड़ी मदद मिलती है।

खैर, यहाँ हमारे पास वह अवलोकन है जिसका मैं आपसे वादा कर रहा था, और फिर से, यह आपके नोट्स में है जो ब्लैकबोर्ड पर हैं। तो चलिए मैं यहाँ दिए गए मुख्य बिंदुओं पर बात करता हूँ। प्रारंभिक राजवंश काल, सहस्राब्दियों पहले, हम वास्तव में लगभग 3,000 साल ईसा पूर्व और उसके बाद के सैकड़ों वर्षों की बात कर रहे हैं।

ऊपरी और निचले मिस्र एक साथ आते हैं, और यह बहुत महत्वपूर्ण है। आप इसका सबूत और सदियों में इसके महत्व को देख सकते हैं जब आप इनमें से कुछ चीजों को देखते हैं जो हमें करनक मंदिर और अन्य जगहों पर मिलती हैं। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, पुराने साम्राज्य की ओर बढ़ते हुए, जब हम मिस्र में पिरामिड देखते हैं, मुझे लगता है कि मैंने यह पहले भी कहा है, ध्यान रखें कि जब अब्राहम और सारा मिस्र गए थे, तब तक वे पहले से ही वहाँ मौजूद थे।

वे पहले से ही वहाँ मौजूद हैं, प्रमुख, प्रमुख स्मारकीय संरचनाएं। तथ्य यह है कि वे बनाए गए हैं और इन बिल्डिंगों की खगोलीय और स्थापत्य क्षमता के संदर्भ में उनके निहितार्थ हमें इस संस्कृति के बारे में कुछ उल्लेखनीय बताते हैं। हमारे उद्देश्यों के लिए, जैसा कि हम पहले मध्यवर्ती काल को देखते हैं, यह संभवतः वह समय है, यदि हम निर्गमन के लिए एक प्रारंभिक तिथि के साथ जाते हैं, जिसके बारे में मैं एक पल में बताने जा रहा हूँ, यह संभवतः वह समय है जब अब्राहम, क्षमा करें, जब, हाँ, अब्राहम और सारा वहाँ गए होंगे और उनके छोटे से दल के साथ।

फिर से, वैसे, मैं निर्गमन की तिथि के बारे में बात करने में बहुत समय बिताने जा रहा हूँ क्योंकि चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, कुलपिताओं की तिथि के मामले में बहुत कुछ इस पर निर्भर

करता है। इसलिए यह जानना मददगार है। किसी भी दर पर, वह विभाजन और कमजोरी का दौर था, जो यह समझा सकता है कि एशियाई लोगों का यह प्रवाह क्यों है। शायद अब्राहम और सारा उस पूरी तस्वीर का हिस्सा हैं जब वे अकाल के दौरान नीचे चले जाते हैं।

मध्य साम्राज्य के दौरान, मिस्र फिर से उठ खड़ा हुआ और काफी महत्वपूर्ण बन गया। प्रमुख राजवंश, 12वां राजवंश, ध्यान दें कि यह कितने समय तक चला, और विस्तार का एक स्पष्ट समय। अब उससे परे, ओह, वैसे, यह उस समय के दौरान होगा, फिर से, ओह, आगे बढ़ो, बेक्का।

नहीं, यूसुफ़ के साथ ऐसा नहीं हुआ। क्या आपको याद है जब यह कहा गया था कि अब्राहम और सारा मिस्र गए थे? यह उत्पत्ति 12 की घटना है। यह तब हुआ होगा।

हाँ, हम जिस अकाल के बारे में बाद में बात करने जा रहे हैं, वह यहीं होगा। फिर से, यह संभवतः इस बात पर निर्भर करता है कि हम पलायन की तिथि कब तय करते हैं, है न? लेकिन अगर हम यूसुफ़ और उसके पूरे भाइयों, पूरे परिवार को खत्म होते हुए देखें, तो यह मध्य साम्राज्य काल में होगा। जो आपको, धन्यवाद, मेरा मतलब है, यह एक अच्छा सवाल है क्योंकि यह हमें इस बात का थोड़ा सा संकेत देता है कि इस क्षेत्र में कितनी बार अकाल पड़ता है। आपके पास सिर्फ़ एक अकाल नहीं है; ऐसा लगता है कि यह कई बार होता है क्योंकि वहाँ का अस्तित्व बहुत ही कमज़ोर है।

खैर, किसी भी दर पर, हमारे उद्देश्यों के लिए, हम यहाँ दो और बातों पर ध्यान देना चाहते हैं जो काफी महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले, पहले मध्यवर्ती काल के अलावा, हमारे पास दूसरा मध्यवर्ती काल भी है, और यह नाम काफी महत्वपूर्ण है। हिक्सोस।

कुछ विदेशी, जिन्हें मिस्र के इतिहासकार ने बहुत बाद में चरवाहा राजा कहा, लेकिन हमें यकीन नहीं है कि यह सच है, लेकिन वे विदेशी हैं जो मिस्र में चले गए और वास्तव में लगभग 150 वर्षों तक मिस्र का शासन संभाला। हिक्सोस इस पूरी अवधि के अंत में हैं। वे लगभग 1700 से लेकर लगभग 1550 तक शासन करने जा रहे हैं, और उन्हें मिस्र के लोग पसंद नहीं करते हैं।

वास्तव में, मिस्र के लोग उनसे नफरत करते हैं। अंत में, नया राज्य अहमोस नामक एक व्यक्ति के साथ शुरू होता है, जो हिक्सोस को बाहर निकालता है और अपना खुद का राजवंश शुरू करता है। ठीक है? अब, इसका कारण यह है कि आप चाहे जो भी तारीख़ एक्सोडस के लिए देने जा रहे हों, चाहे वह जल्दी हो या देर से, और फिर से, मैं थोड़ी देर में उस पर वापस आने वाला हूँ, चाहे हम एक्सोडस को कोई भी तारीख़ दें, यह नए राज्य की अवधि के दौरान होता है।

और हम इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। हम कुछ ही समय में नए राज्य का काफी विस्तार करने जा रहे हैं। ठीक है, क्या आप अभी भी मेरे साथ हैं? कोई सवाल? यह एक बड़ा अवलोकन चित्र है।

यहाँ पिरामिड हैं, और फिर से, ये वे हैं जो उस समय खड़े थे जब अब्राहम और सारा भी वहाँ गए थे। यदि आप थोड़ा परिप्रेक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं, तो मैं एक छोटे पिरामिड के शीर्ष पर खड़ा हूँ। यह एक छोटे पिरामिड का सबसे ऊपरी भाग है, जो वहाँ मौजूद एक जैसा है।

वे पत्नियों के लिए थे, फिरौन की विभिन्न पत्नियाँ। यहाँ तीन प्रमुख हैं, खुफू, खेफरान और मेनाचारी। अब आइए नए राज्य पर ध्यान केंद्रित करें।

और अब यह सब शुरू हो गया है। मुझे देखना है कि मैं अपनी बात कह सकता हूँ या नहीं। और अगर मुझे कुछ धीमा करने की ज़रूरत है या ऐसा कुछ करने की ज़रूरत है तो कृपया बेझिझक सवाल पूछें।

अहमोस 18वें राजवंश में से एक है जिसने हिक्सोस को बाहर निकाल दिया। फिर आपके पास अमेनहोटेप्स और थुटमोस की एक श्रृंखला है। क्या आप उन्हें देखते हैं? ध्यान में रखने वाली बात यह है कि अमेन एक देवता है, और थॉथ या टोथ भी।

वे ईश्वर के नामों के प्रतिनिधि हैं। और फिर, अगर आप ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि वहाँ एक मूसा है, जिसका मूसा से कुछ संबंध हो सकता है। इस पर भी ध्यान दें।

अब, दो चीजें जो मैं चाहता हूँ कि आप नोट करें, और मैं इस सूची के बारे में थोड़ी देर में और बात करूंगा, लेकिन दो चीजें जो मैं चाहता हूँ कि आप अभी नोट करें, वे स्पष्ट रूप से वहाँ हाइलाइट किए गए नाम हैं। अगर हम पलायन के लिए प्रारंभिक तिथि के साथ जाने वाले हैं, तो यह अमेनहोटेप द्वितीय के शासनकाल के दौरान है। अब एक बार जब हम इसे स्थापित कर लेते हैं, और इसे वहाँ हाइलाइट किया जाता है, तो हम थोड़ा पीछे जा सकते हैं।

क्या आप जानते हैं कि पलायन के समय मूसा की उम्र कितनी थी? वह 80 वर्ष का है, है न? तो, अगर वास्तव में हमारे पास पलायन हो रहा है, और फिर से, हम उस प्रारंभिक तिथि की संभावना के लिए बहुत जल्द ही तारीख पर पहुंचने वाले हैं, लेकिन आप उसमें 80 वर्ष जोड़ने जा रहे हैं, और फिर सुझाव यह है कि यह संभवतः थुटमोस I के शासनकाल के दौरान है कि हमें मूसा का जन्म मिलता है, क्योंकि आप बस अपना गणित करते हैं और आप उसी तरह से पहुंचने वाले हैं। अब तक तो सब ठीक है? ये दो बातें ध्यान देने योग्य हैं।

अब, दो अतिरिक्त बातें हैं जिनके बारे में हम ध्यान देना चाहते हैं। हत्शेपसुत नाम पर ध्यान दें। हत्शेपसुत एक महिला है।

जैसा कि आप देख सकते हैं, वह थुटमोस द्वितीय की बहन और पत्नी है। हत्शेपसुत एक असाधारण रूप से साहसी महिला थी। वह कोई साधारण बूढ़ी महिला नहीं थी।

वह वास्तव में राज कर रही है, सह-शासन कर रही है, हाँ, लेकिन कुछ समय के लिए राज कर रही है, और उसका अपना शवगृह मंदिर है। उसे ताज पहनाया गया था। मिस्र के देवताओं द्वारा शासक के रूप में खुद को ताज पहनाए जाने का चित्रण है।

वास्तव में, यह पता चला है कि थुटमोस तृतीय, जिसने उसके मरने के बाद उसके बाद शासन किया था, और जब वह चली गई थी, तब वह उसका सह-शासक था, उसने वास्तव में उसे चित्रित करने वाली सामग्रियों को खराब करने की परेशानी उठाई क्योंकि उसे यह संभावना पसंद नहीं थी कि वह वास्तव में शासन कर रही थी, लेकिन ऐसा लगता है कि वह एक शक्तिशाली किस्म की महिला थी। फिर से, उस पर टिके रहें। यह महत्वपूर्ण है।

और फिर अंत में, बस ध्यान दें कि हमारे पास एक ऐसा नाम भी है जिससे आप परिचित हो सकते हैं, अखनातेन, अगर आपने इस क्षेत्र में अपने इतिहास में कोई अध्ययन किया है, तो आप जानते होंगे कि वह वही है जिसने मिस्र की संस्कृति में अर्ध-एकेश्वरवाद के कुछ रूप को पेश किया था। यह ज्यादा समय तक नहीं चला। ज्यादा समय तक नहीं चला।

लेकिन सुझाव यह है कि अगर हम उससे पहले पलायन करने जा रहे हैं, तो शायद, बस शायद, इस देवता की शक्ति की एक परंपरा है जिसने पलायन को अंजाम दिया और इन लोगों को मिस्र से बाहर निकाला। शायद वह उस समय उनकी सोच को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त मजबूत थी। फिर से, यह लंबे समय तक नहीं रहता।

उसके शासनकाल के बाद पूरी बहुदेववादी संस्कृति फिर से हावी हो गई। अब, आगे बढ़ने से पहले क्या कोई सवाल है? क्या हम अच्छे हैं? हम अच्छे हैं। ठीक है।

वैसे, ये सिर्फ कुछ तस्वीरें हैं जो हमें इस चीज़ का थोड़ा सा एहसास कराती हैं। यह हत्शेपसुत का शवगृह मंदिर है। ध्यान दें कि यहाँ तीन अलग-अलग स्तर हैं।

एक बीच में है और फिर एक तीसरा पीछे है। अंदर, दीवार दर दीवार हत्शेपसुत के चित्रण हैं। यह हत्शेपसुत, वह, उसने जो महत्वपूर्ण काम किए हैं, वगैरह, वगैरह, देवी-देवता जो उसके लिए महत्वपूर्ण हैं।

तो, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है, इसके अलावा - वैसे, यह नील नदी के पश्चिमी किनारे पर है। ये स्थान जो कब्रें, शवगृह मंदिर और राजाओं की कब्रें थीं, वे नील नदी के पश्चिमी किनारे पर थीं। मंदिर वास्तव में नील नदी के पूर्वी किनारे पर थे।

यह हत्शेपसुत के राज्याभिषेक का विवरण है। और ध्यान दें कि उसे कोई भी व्यक्ति राज्याभिषेक नहीं करवा रहा है। उसे, जैसा कि मैंने पहले कहा था, देवताओं द्वारा राज्याभिषेक करवाया जा रहा है, आइए देखें कि क्या मैं इस संकेत को काम में ला सकता हूँ।

मुझे बाज़ देवता का नाम याद नहीं आ रहा है। कोई मेरी मदद करे। यह मेरी याददाश्त से दूर हो रहा है।

इसे फिर से कहो। हाँ, यह सही लगता है। धन्यवाद।

बस एक छोटा सा नोट भी। लक्सर क्षेत्र में संभवतः सबसे महत्वपूर्ण मंदिर, जहाँ हत्शेपसुत स्मारक शवगृह मंदिर भी है, वह है कर्नाक मंदिर, जो कि एक से बढ़कर एक है। यह बहुत बड़ा है।

इसमें 18वें राजवंश के प्रमुख भाग हैं, लेकिन यह सिकंदर महान के समय तक जाता है, जिसने इसमें अपना एक हिस्सा भी जोड़ा था। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ हमारे पास एक ओबिलिस्क है।

और यहाँ हमारे पास, मुझे लगता है, हाँ, एक ओबिलिस्क है जो कभी मंदिर तक नहीं पहुँचा। वे वास्तव में मंदिर के निर्माण से दक्षिण में ग्रेनाइट से इन चीजों को काटते थे और फिर, मानो या न मानो, उन्हें नील नदी पर तैराते थे, उन्हें मंदिर क्षेत्र में लाते थे, और उन्हें खड़ा करते थे। टेड, अगर आप रुचि रखते हैं, तो यह बेकी ब्रिंटन है जो इसके नीचे पोज दे रही है।

क्या यह मजेदार नहीं है? और फिर आप यहाँ एक और छात्र को खड़ा हुआ देखेंगे। तो, आपको किसी तरह का आकार मिल जाता है। अब, ज़ाहिर है, इसके साथ कभी कुछ नहीं किया गया क्योंकि यह प्रक्रिया में टूट गया और इसलिए ग्रेनाइट अपूर्ण था।

वे इसे एक ओबिलिस्क के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकते थे। लेकिन इससे आपको थोड़ा-बहुत अंदाजा तो लग ही जाता है कि इनमें से कुछ चीजें कैसे काम करती थीं। लेकिन फिर से, इन लोगों की प्रतिभा, इसे जमीन से बाहर निकालना, इतनी बड़ी चीज, इसे किसी तरह के बेड़ा पर रखना और नील नदी में तैराना ताकि यह वास्तव में मंदिर तक पहुंच सके।

खैर, यहाँ हम मंदिर के वास्तविक केंद्र में हैं, मंदिर का हाइपोस्टाइल। मुझे लगता है कि कर्नाक मंदिर के उस क्षेत्र में 136 प्रमुख स्तंभ हैं। गॉर्डन फोटो भी वहाँ है।

और यहाँ इस विशेष मंदिर और लक्सर के मंदिर के बीच मुख्य औपचारिक तरीकों में से एक है जिसे हमने अभी देखा है। वह कर्नाक मंदिर था, लक्सर का मंदिर। आइए नए साम्राज्य पर ध्यान केंद्रित करें, और फिर हम वापस आकर रामसे के सामान के बारे में कुछ और तस्वीरें देखेंगे।

हम 18वें राजवंश को देख रहे हैं। अगर हमारे पास पलायन की कोई प्रारंभिक तिथि है, तो वह 18वां राजवंश है। अब हम 19वें राजवंश को देखने जा रहे हैं।

अगर हमारे पास पलायन की कोई बाद की तारीख है, तो हमें यह पता लगाना होगा कि 19वें राजवंश में कौन था, क्योंकि बाद की तारीख के सिद्धांत के अनुसार यही वह समय है जब पलायन हुआ था। तो बस 19वें राजवंश के प्रमुख आंकड़ों पर एक चुनिंदा नज़र डालें। फिर से, पूरा नहीं, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए पर्याप्त है।

सेटी। ने इसकी शुरुआत की। वैसे, वह इज़राइल की भूमि पर कुछ हमले करता है, लेकिन अभी वह हमारी रुचि से परे है। रामसे ॥ वह है जिसे आप हाइलाइट करना चाहते हैं।

शायद यहाँ पर इस पर प्रकाश डाला जाना चाहिए। रामसे के बारे में कुछ बातों पर ध्यान दें। ध्यान दें कि वह कितने समय तक राज करता है।

वैसे, आप काहिरा के राष्ट्रीय संग्रहालय में जाकर रामसे की ममी, रामसे ॥ देख सकते हैं। यह काफी दिलचस्प है। किसी भी तरह से, हमारे यहाँ एक लंबे समय तक राज करने वाला फिरौन है।

अब, उसका नाम ही महत्वपूर्ण है। उस पर ध्यान दें क्योंकि निर्गमन में पिथोम और रामसेस के शहरों के निर्माण का उल्लेख है। क्या आपको वह याद है? और इसलिए कुछ लोग सोचते हैं, ठीक है, अगर निर्गमन में इस्राएलियों द्वारा इस शहर के निर्माण की बात की गई है, जिनमें से एक रामसे का शहर है, तो इसका नाम इस आदमी, रामसे के नाम पर रखा जाना चाहिए, जिसने लंबे समय तक शासन किया और जो एक स्मारक निर्माता था।

संभवतः सभी फिरौनों में से, रामसेस द्वितीय ने मिस्र की भूमि पर अपने पदचिह्न छोड़ने के लिए सबसे अधिक कार्य किया। मंदिर के बाद मंदिर के बाद प्रमुख संरचना। इसलिए, छात्र निर्गमन अध्याय एक में सामग्री को देखते हैं, और वे कहते हैं कि रामसेस के संदर्भ का अर्थ यह होना चाहिए कि निर्गमन रामसे द्वितीय के शासनकाल में हुआ था।

खैर, फिर, उसके बाद, हमें बस इस पर भी ध्यान देना होगा। मेरेनप्टाह नाम का एक आदमी, कभी-कभी आप इसे मेरेनप्टाह के रूप में देखेंगे, जिसे EN बदल सकता है, लेकिन इसे पढ़ने का यह अधिक उपयुक्त तरीका है। उसके बाद वह फिरौन है और वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह चला जाता है, और आप इसके बारे में पुराने नियम के समानांतरों में पढ़ रहे हैं, वह एक खड़ा पत्थर छोड़ जाता है जिसे स्टेल या स्मारक कहा जाता है।

और इसमें कहा गया है कि उसने अन्य लोगों के अलावा इस्राएलियों को भी पीटा। वह उन्हें इस्राएल कहता है। और यह घटना लगभग 1220 की है।

तो, अगर यह सच है, तो यह उनके अभियानों में से एक है; वैसे, यह मिस्र में नहीं हो रहा है; यह उनके अभियानों में से एक है जो उस भूमि से होकर गुज़रेगा जो इज़राइल बन जाएगी, कनान की भूमि से होकर। और वह कहता है, मुझे यह व्यक्ति मिला, आप जानते हैं कि उसे मिला, उसे मिला, मैंने इज़राइल से लड़ाई की। तो, हमारे पास कुछ संकेत हैं कि इज़राइल 1220 तक उस भूमि पर है, लगभग।

रामसेस के बारे में कुछ बातें देखते हैं। ये हैं हमारा रामसेस ॥। वो अपनी कई तरह की मूर्तियाँ छोड़ जाता है।

यह एक बड़े सिर का बहुत नज़दीक से लिया गया चित्र है। उसके सिर पर कोबरा को भी देखा जा सकता है। मिस्र में कोबरा कई अन्य देवताओं के अलावा एक प्रमुख देवता था।

उसके आकार पर ध्यान दें। उसकी एक पत्नी यहाँ उसके घुटनों के बीच में है, और फिर मैं उसके पैर के अंगूठे को वहाँ गुदगुदी कर रहा हूँ। तो, आपको अंदाजा हो गया होगा कि यह आदमी कितना बड़ा है।

यह दक्षिण में उनके महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। वास्तव में, यह मिस्र की सीमा पर है, जिसे अबू सिंबल कहा जाता है। यदि आप मिस्र जाते हैं, तो आपको नीचे जाकर इसे देखना चाहिए।

यह कई कारणों से एक स्मारकीय मंदिर है। क्या मैंने यहाँ इस बारे में बात की है? ठीक है, हम थोड़ा अलग विषय पर जा रहे हैं। जब नासर, जो 50 और 60 के दशक में मिस्र के राष्ट्रपति हुआ करते थे, दुनिया के सबसे अच्छे राजनीतिक व्यक्ति नहीं हैं, अगर आपने यहाँ आधुनिक इतिहास के साथ कुछ भी किया है।

लेकिन किसी भी हालत में, उसके मन में यह विचार था कि वह नील नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए नील नदी पर एक बांध बनाने जा रहा था, जो वैसे, बहुत बुद्धिमानी वाली बात नहीं थी क्योंकि इसका मतलब था कि नील नदी की नियमित बाढ़ और बाढ़ के मैदान पर गाद का अद्भुत जमाव जो कृषि उत्पादकता के लिए बना था, बाधित होने वाला था। लेकिन वह बाढ़ को नियंत्रित करना चाहता था, इसलिए उसने बांध बनाया, और निश्चित रूप से, बांध के पीछे क्या होने वाला था? एक विशाल झील। और वह विशाल झील इस मंदिर और वास्तव में एक अन्य मंदिर को बाढ़ में डुबोने वाली थी जो वहाँ कोने के आसपास था।

यह रामसेस है, और फिर उसकी पसंदीदा पत्नी नेफरतिरी के लिए एक है। नेफरतिरी नहीं, नेफरतारी, हाँ, वाह। किसी भी दर पर, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय नाराज था क्योंकि उन्हें पता था कि यह सब कुछ पानी के नीचे जाने वाला था, और इसलिए उन्होंने 60 के दशक की शुरुआत में काफी मात्रा में धन जुटाया।

मुझे याद नहीं कि कितने मिलियन, लेकिन यह महंगा था। उन्होंने इस चीज़ को चट्टान से, चट्टान दर चट्टान, टुकड़ा दर टुकड़ा काटा, सब पर लेबल लगाया, और ढलान पर ऊपर खींचकर ले गए। यह यहाँ एक कृत्रिम पर्वत है, ठीक है? यह एक कृत्रिम पर्वत है।

यह एक निर्मित पर्वत है जिसमें यह मंदिर और दूसरी तरफ उनकी पसंदीदा पत्नी का मंदिर बनाया गया है। यह सिर्फ दिखावा नहीं है। आप दरवाज़ों से होकर जा सकते हैं, और हम आपको अंदर की कम से कम एक जगह संक्षेप में दिखाएंगे।

चारों मूर्तियाँ स्वयं रामसेस की हैं। यहाँ दूसरी मूर्ति पहले ही गिर चुकी थी, जाहिर तौर पर पुरातन काल में गिर गई थी। इसलिए, उन्होंने इसे गिरा हुआ छोड़ दिया, मेरा मतलब है, उन्होंने इसे वहाँ तक खींचकर ले गए जहाँ इसे बचाया जाना था और इसे गिरी हुई अवस्था में वहीं छोड़ दिया।

वे मूर्तियाँ 67 फ़ीट ऊँची हैं, इसलिए फिर से, इससे आपको इस विशेष चीज़ के आकार का अंदाज़ा हो जाता है। और यहाँ हम इसके सामने खड़े हैं। अगर आप उस दरवाज़े से अंदर जाएँ, तो वहाँ चित्रों और अन्य चीज़ों से भरे कमरे हैं।

लेकिन यहाँ आंतरिक गर्भगृह में, अगर आप चाहें, तो चार देवता हैं, जिनमें से एक अंडरवर्ल्ड का देवता सेठ है। और उसके बारे में कहने के लिए बहुत सी अन्य बातें हैं। लेकिन किसी भी दर पर, यह हमारा रामसेस मंदिर है।

वैसे, ये ऊपर बबून हैं। बबून इसलिए महत्वपूर्ण थे क्योंकि वे सूरज उगने का इंतज़ार करते थे। सूरज उगने पर वे सरसराहट और इधर-उधर घूमना शुरू कर देते थे।

बेशक, यह महत्वपूर्ण क्यों है? मुख्य देवता सूर्य है। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। यह मिस्र, विशेष रूप से 18वें और 19वें राजवंश कालक्रम और उनसे जुड़ी कुछ चीज़ों पर एक त्वरित नज़र है।

रामसेस की चीज़ें इसलिए दिखाई हैं क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आपको यह एहसास हो कि रामसेस कितना शानदार बिल्डर था, और मैंने आपको सिर्फ़ इतना ही दिखाया है। ठीक है, अब आइए बाइबल के डेटा को देखें। सबसे पहले, निर्गमन अध्याय एक।

मैं वहाँ तक पहुँच सकता हूँ। मुझे थोड़ा सा पढ़ने दो। छठी आयत में, यूसुफ और उसके सभी भाई और उस पीढ़ी के सभी लोग मर गए, लेकिन इस्राएली लोग फलने-फूलने लगे, उनकी संख्या बहुत बढ़ गई, और वे इतने अधिक हो गए कि पूरा देश उनसे भर गया।

उत्पत्ति एक में परमेश्वर की आशीष के संदर्भ में हमारे पास जो समान वाक्यांशावली है, उस पर ध्यान दें, और जलप्रलय के बाद भी। फलदायी और बहुगुणित। श्लोक आठ, फिर एक नया राजा जो यूसुफ के बारे में नहीं जानता था, सत्ता में आया।

उन्होंने कहा कि इस्राएलियों की संख्या बहुत ज़्यादा हो गई है। हमें उनके साथ चतुराई से पेश आना चाहिए, नहीं तो उनकी संख्या और भी बढ़ जाएगी। और अगर युद्ध छिड़ गया, तो वे हमारे दुश्मनों से मिल जाएंगे, हमारे खिलाफ़ लड़ेंगे और देश छोड़कर चले जाएंगे।

इसलिए, उन्होंने उन पर जबरन श्रम करने के लिए दास स्वामियों को नियुक्त किया, और यहाँ हमारे दो शहर हैं, पिथोम या पियातुम और रामसेस, जो फिरौन के लिए भंडार नगर थे। जितना अधिक उन पर अत्याचार किया गया, उतना ही वे बढ़ते गए और फैलते गए। मिस्र के लोग इस्राएलियों से भयभीत हो गए, उनसे बेरहमी से काम करवाया।

उन्होंने अपने जीवन को श्रम और ईंट-गारे तथा खेत में सभी प्रकार के कामों से कष्टमय बना दिया। दूसरे शब्दों में, हर जगह दास हैं। आप जानते हैं, हम अक्सर मूसा और मिस्र के देवताओं या जो भी वे फिल्मों देखते हैं, आप जानते हैं, वे पिरामिड बना रहे हैं, जो ऐतिहासिक रूप से गलत है।

वे खेत मजदूर हैं। वे ईंटें बना रहे हैं, हाँ, यह सच है, लेकिन वे हर जगह खेत मजदूर के रूप में काम कर रहे हैं। फिरौन को, बेशक, डर है कि वे चले जाएँगे।

इसका मतलब है कि अगर वे चले गए तो वह अपनी आर्थिक संरचना का एक बड़ा हिस्सा खो देंगे। इसीलिए उन्हें इस बात का डर है। आर्थिक संरचना खोना।

खैर, यह अध्याय एक है। और वैसे, एक बात जो बहुत दिलचस्प है वह यह है कि जब फिरौन इन लोगों के साथ चतुराई से पेश आना चाहता है, तो उसके पास ऐसा करने के तीन अलग-अलग चरण हैं। पहला है उत्पीड़न।

दूसरा, दाइयों को सलाह दी गई है। और तीसरा, बच्चों को नदी में फेंकना है। वह इसे चरणों में निपटाने की कोशिश कर रहा है।

हर एक उस पर बुरी तरह से उल्टा असर करता है, इसलिए वह इतना चतुर नहीं है। खैर, किसी भी दर पर, अध्याय दो, एक्सोडस की डेटिंग के संबंध में हमारे डेटा के संदर्भ में, अध्याय दो भी महत्वपूर्ण है। उसने किसी की हत्या की है।

यह बात फैल गई। उसे जाना ही होगा। और श्लोक 23 हमें अध्याय दो में बताता है, श्लोक 23, उस लंबी अवधि के दौरान, मिस्र के राजा की मृत्यु हो गई।

तो, आपको मिस्र के राजा का एक बदलाव देखना होगा, है न? अगर हम इसे किसी भी चीज़ के लिए पढ़ने जा रहे हैं। उत्पीड़न के समय और मूसा के जन्म, और फिर 40 साल की उम्र में उसके भागने, और फिर उसकी वापसी के बीच, उस अंतिम खंड में फिरौन में बदलाव होना चाहिए। ठीक है, अब तक तो सब ठीक है।

जो लोग निर्गमन की प्रारंभिक तिथि का सुझाव देते हैं, वे ऐसा निम्नलिखित आधार पर करते हैं। सभी बातों में से, वे निर्गमन की पुस्तक से शुरू नहीं होते हैं। हम 1 राजा अध्याय छह में जाते हैं, जिसका, यदि आप श्लोक एक पढ़ते हैं, और हम अभी वहाँ नहीं जाएँगे, लेकिन यदि आप श्लोक एक पढ़ते हैं, तो यह कहता है, निर्गमन के 480वें वर्ष के बाद, मंदिर का निर्माण किया गया था, है न? तो, इन कालानुक्रमिक बातों के कारण, जिनके बारे में मैंने आपसे पहले बात की थी, हम सुलैमान के शासनकाल की तिथि निर्धारित कर सकते हैं।

हम डेविड की तिथि बता सकते हैं। हम वहाँ से कुछ ठोस तिथियां प्राप्त कर सकते हैं, और इसलिए, यह बहुत स्पष्ट है कि मंदिर 966 में बनाया गया था। और यह एक बहुत ठोस तिथि है।

इसमें कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं है। तो, आपको बस इतना करना है कि 966, ठीक है, उससे 480 साल पहले, यह तो बहुत आसान है। हम पलायन की तारीख जानते हैं।

तर्क क्या है? 1446. और बेशक, दिलचस्प बात यह है कि अगर आप उस छोटे से चार्ट पर वापस जाएं जिसे आप अभी देख रहे थे, तो अमेनहोटेप ॥ उससे लगभग चार साल पहले ही राजा बना था, है न? तो, वहाँ एक बदलाव है। पिछला राजा चला गया, अमेनहोटेप ॥ राजा बन गया, मूसा मिद्यान से वापस आ सकता है, और यहाँ निर्गमन होता है।

अब, पीढ़ियों के बारे में सोचने के मामले में, यह अगला बिंदु महत्वपूर्ण है क्योंकि आप थोड़ी देर में देखेंगे कि ऐसा क्यों है। जब आप 1 इतिहास 6 पढ़ते हैं, तो यह कहता है कि इस व्यक्ति के बीच 18 पीढ़ियाँ हैं जो निर्गमन के समय में रहता था; उसका नाम कोरह है, हम उसके बारे में अंततः संख्या अध्याय 16 में पढ़ने जा रहे हैं, और वह अपने नाम हामान का वंशज है जो दाऊद के समय में रहता था। ठीक है? अठारह पीढ़ियाँ।

अब, यदि आप प्रति पीढ़ी लगभग 25 वर्ष का अनुमान लगा रहे हैं, क्योंकि यह लगभग सही है, तो हमारे पास समय की सही अवधि है। तो, बस आपको अपना गणित करना होगा। वहाँ थोड़ी पुष्टि करनी होगी।

इसमें सीधे तौर पर पलायन का जिक्र नहीं है, लेकिन इससे हमें लगता है कि शायद यह समय-सीमा सही है। क्या मैं अभी भी अंग्रेज़ी बोल रहा हूँ? ठीक है। कुछ और बातें, कुछ और बातें, कुछ और बातें।

अरे यार। हाँ। चलो इसे ऐसे करते हैं।

तो चलिए शुरू करते हैं। अप्रत्यक्ष और फिर भी बहुत रोचक साक्ष्य का एक और अंश, जब हम न्यायियों की पुस्तक पढ़ते हैं, जिसे हम कुछ हफ्तों में पढ़ने जा रहे हैं, और हम यिप्तह नामक एक न्यायाधीश के बारे में पढ़ते हैं, जिसे अपने न्याय कार्य के हिस्से के रूप में अम्मोनियों के साथ युद्ध करना पड़ता है। लेकिन वह पहले उन्हें एक पत्र लिखता है।

और उस पत्र का एक हिस्सा न्यायियों 11, आयत 26 में उद्धृत है। उस पाठ में, वह कहता है कि 300 वर्षों से, हमारे लोग इन शहरों में रह रहे हैं। ठीक है, ठीक है।

यहाँ गियर ऊपर की ओर बढ़ते हैं। यदि यिप्तह न्यायियों की अवधि के अंत में रह रहा है, और यह 11वीं शताब्दी के मध्य में समाप्त होता है, दूसरे शब्दों में, 1000 के दशक में, तो हम यिप्तह को, ठीक है, लगभग 1100 के आसपास रख सकते हैं, शायद, शायद। हमारे पास उसके लिए कोई विशिष्ट सटीक तिथि नहीं है, लेकिन हो सकता है।

और फिर आपको बस उसमें 300 जोड़ने की ज़रूरत है, और आपके पास क्या है? आपके पास 1400 है, 1446 में पलायन, जंगल में 40 साल की भटकन, क्योंकि यह इज़राइल की अवज्ञा है, एक विजय है। 1400 के आसपास, लोग उन शहरों में बस गए जहाँ यिप्तह कहते हैं कि वे 300 सालों से रह रहे हैं। आप यहाँ सब कुछ थोड़ा बेहोशी की हालत में देख रहे हैं।

लेकिन यह ठीक है। मुझे पता है कि तारीखें ऐसा करती हैं। इस पर कुछ और बातें।

अगर यह सब मेरे सुझाए गए तरीके से एक साथ काम करता है, तो वास्तव में हम मूसा को थुटमोस III के अधीन भागते हुए देखेंगे, जो एक काफी महत्वपूर्ण व्यक्ति है, काफी महत्वपूर्ण व्यक्ति। और जिसके अधीन वह लौटा वह अमेनहोटेप II होगा। अब मैं एक और बात कहना चाहता हूँ जो मुझे यहाँ नहीं मिली है, क्योंकि यह पूरी तरह से अनुमान है, लेकिन यह दिलचस्प हो सकता है।

जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, हत्थोपसुत एक बहुत ही साहसी महिला थी। वह, आप जानते हैं, ऐसी महिला नहीं थी जो बस पीछे बैठ कर रानी होने का दिखावा करती थी। संभवतः, और फिर से, यह केवल इसलिए संभव है क्योंकि इन फिरौन के कई बच्चे थे और वे हर जगह बस लोग थे, लेकिन संभवतः, चूंकि वह थुटमोस। की बेटी थी, और मूसा का जन्म, थुटमोस। के शासनकाल के दौरान, बहुत पहले हुआ होगा, इसलिए उसके पास पर्याप्त आकर्षण, पर्याप्त साहस था, जिससे वह अपने पिता के बच्चों को नदी में फेंकने के आदेश का विरोध कर सके, और इसलिए इस छोटे से बक्से को बचा सके जिसमें मूसा था, और इस हिब्रू बच्चे को दरबार में पाल सके।

मेरा मतलब है, अगर फिरौन की बेटी ऐसा करने जा रही है, तो उसके पास ऐसा करने के लिए किसी तरह का प्रभाव होना चाहिए। और इसलिए, सुझाव यह हो सकता है, और फिर से, यह सिर्फ एक संभावना है, कि हत्थोपसुत वह व्यक्ति हो सकती है, क्योंकि हम निश्चित रूप से मंदिरों और चीजों की दीवारों पर बचे हुए अवशेषों से जानते हैं कि वह कोई मतलबी व्यक्ति नहीं थी। ठीक है, चलो देर से तारीख के सबूत लेते हैं।

वास्तव में यहाँ और भी सबूतों का उल्लेख है। यह तय करना आप पर निर्भर है कि यह अच्छा सबूत है या पर्याप्त सबूत। जैसा कि मैंने कहा, अध्याय 1 की आयत 11 में रामसेस नामक स्थान का उल्लेख है, और इसलिए, विचार यह है कि, यदि रामसेस इतना बड़ा बिल्डर है, तो शायद उसने इस शहर का निर्माण किया है, और यह वह शहर है जिसे इस्राएली बना रहे हैं, और इसलिए, यह वह समय है जब उत्पीड़न हो रहा है।

एक और सुझाव यह है कि वास्तव में 18वां राजवंश था, 19वां नहीं; अगर हम बाद की तारीख की बात कर रहे हैं तो हम 19वीं की बात कर रहे हैं, लेकिन 18वां राजवंश वास्तव में दक्षिण में रहता था। तो फिर, वे यहाँ क्या कर रहे हैं? खैर, बेशक, अगली बात जो आपको करनी है वह यह है कि, हम 1 राजा 6:1 के इस अंश से कैसे निपटेंगे, जिसमें विशेष रूप से 480 वर्षों का उल्लेख है? खैर, इससे निपटने का एक तरीका है। चालीस वर्ष, जैसा कि आप जानते हैं, पुराने नियम में एक काफी मानक संख्या है, बहुत बार दिखाई देती है, और इसलिए सुझाव यह है कि इसका मतलब एक पीढ़ी का प्रतीक होना है, और इसलिए शाब्दिक रूप से 40 वर्ष नहीं, बल्कि एक पीढ़ी और फिर 12 पीढ़ियाँ।

तो, 12 गुणा 40 बराबर 48 है, और इस तरह हमें, क्षमा करें, 480 मिलता है। और क्योंकि ये स्टॉक संख्याएँ हैं, इसलिए 1 राजा 6-1 में उस संदर्भ का शाब्दिक अर्थ 480 वर्ष नहीं है। क्या आप इस पर मेरे साथ हैं? इसके बजाय, यह 12 पीढ़ियों का संदर्भ दे रहा है, और जैसा कि हमने अभी कुछ समय पहले कहा था जब हम कोरह से हामान तक की समय सीमा के बारे में बात कर रहे थे, पीढ़ी के हिसाब से 25 वर्ष, यहाँ विचार यह होगा कि यदि हम 12 पीढ़ियों के बारे में बात कर रहे हैं, तो हमारे पास केवल 300 वर्ष होंगे और फिर यह हमारी तिथि को उस समय तक ले जाता है जब आपके पास 1400 के बजाय 1200 के दशक में उत्पीड़न और पलायन हो रहा था।

अब, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। 20वीं सदी के मध्य में एक प्रसिद्ध पुरातत्वविद् ने ट्रांसजॉर्डन के क्षेत्र का काफी गहन सर्वेक्षण किया था, और उन्होंने कहा, अरे, इस समय अवधि के दौरान, यानी 1400 के दशक में यहाँ एदोम और मोआब का कोई सबूत नहीं था। अब, ज़ाहिर है, जब हम गिनती की किताब पढ़ना शुरू करेंगे तो हम देखेंगे कि इस्राएलियों का सामना एदोम और मोआब से हुआ, एदोम का एक राजा जिसने कहा, नहीं, तुम यहाँ से नहीं जा सकते।

खैर, अगर एदोम का कोई राजा है, तो एदोम भी होना चाहिए, और फिर भी ग्लक को कुछ भी नहीं मिला। अब मुझे आपको यह बताना होगा कि इस समय से, पुरातत्वविदों ने इस समय अवधि से कुछ काफी बड़ी चीजें खोजी हैं, लेकिन नेल्सन ग्लक ने लंबे समय तक उस पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसके बारे में उन्हें लगता था कि उन्हें कुछ नहीं मिला। इसी तरह, पुरातत्व से, मुझे उम्मीद है कि आप कभी-कभी डॉ. विल्सन की पुरातत्व कक्षा में भाग लेंगे।

वह इस सबका विस्तार से वर्णन करेंगे, जितना मैं कर सकता हूँ उससे कहीं बेहतर। जैसा कि आप पुरातात्विक साक्ष्यों को देखते हैं, खासकर इज़राइल के कुछ खास हिस्सों में, लगभग 1200 साल पहले एक बड़ा विनाश हुआ था। और इसलिए, काफी समय तक, लोगों ने सोचा, अच्छा, यह इस बात का सबूत होना चाहिए कि इज़राइली विजय में आगे आए।

और इसलिए, आपको लगभग 1250 में पलायन, कुछ ऐसा ही, और लगभग 1200 में विजय प्राप्त हुई। अब, मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताने जा रहा हूँ, लेकिन इसे सबूत के तौर पर देखा गया। इसी तरह, पहाड़ी इलाकों में, पहाड़ी इलाकों के सर्वेक्षणों, पुरातात्विक सर्वेक्षणों से पता चला कि हमारे यहाँ बस्तियों में वास्तव में वृद्धि हुई है, स्पष्ट रूप से ऐसी बस्तियाँ हैं जो लगभग 1200 से पुरातात्विक अवशेष छोड़ती हैं।

खैर, क्या आप आश्चर्य हैं? यह सबूतों की एक बहुत अच्छी श्रृंखला की तरह दिखता है, है न? क्या यह काम करता है? ज़्यादातर पुरातत्वविद - माफ़ करें, ज़्यादातर पुरातत्वविद नहीं, वैसे, वे भी, लेकिन ज़्यादातर पुराने नियम के विद्वान अगर सोचते हैं कि पलायन हुआ है, तो वे ऐसा करेंगे। और वैसे, उनमें से बहुत से ऐसे भी हैं जो ऐसा नहीं मानते। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि पलायन हुआ है, तो वे कहेंगे कि यह तब हुआ था जब ऐसा हुआ था।

पलायन लगभग 1250, 1260, कुछ ऐसा ही था, और फिर भूमि पर आना। इन तिथियों को संक्षिप्त करें। खैर, आइए देखें कि क्या हम इसे थोड़ा संबोधित कर सकते हैं।

ओह, हाँ, स्तंभ, मैं उसके बारे में भी भूल गया। यह लगभग 1220 या 1209 के आसपास का है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किसका नाम पढ़ रहे हैं। बस कुछ आपत्तियाँ हैं।

वैसे, मैं आपसे किसी एक पक्ष या दूसरे पक्ष में आने के लिए नहीं कहूँगा। आपको बस सबूत जानने की ज़रूरत है, या कम से कम आपको यह जानने की ज़रूरत है कि यह मुद्दा मौजूद है क्योंकि यह पुराने नियम के इतिहास में हमारे द्वारा किए जाने वाले बहुत से कामों को प्रभावित करता है। यह वास्तव में ऐसा करता है।

अगर हम वास्तव में निर्गमन की पुस्तक में इन संख्याओं को उचित रूप से पढ़ने जा रहे हैं और कहते हैं कि मूसा वास्तव में 80 वर्ष का था, तो, फिर से, शायद यह भी प्रतीकात्मक है। लेकिन अगर हम निर्गमन के समय मूसा की उम्र 80 के रूप में पढ़ने जा रहे हैं, तो उत्पीड़न रामसेस के प्रकट होने से बहुत पहले शुरू हो गया था। बस वहाँ गणित करना है।

इसी तरह, पुरातत्व के क्षेत्र में हाल ही में किए गए काम में, जेम्स हॉफमेयर नामक एक व्यक्ति ने संकेत दिया है कि यह शहर, जिसके बारे में सभी कहते हैं कि इस्राएलियों ने रामसेस द्वितीय के दमनकारी शासन के दौरान बनाया था, वास्तव में लगभग 70 साल पहले स्थापित किया गया था। अब, यह पक्का और पक्का नहीं है, लेकिन कम से कम यह वहाँ है। फिर से, रामसेस का नाम रामसेस द्वितीय के आने से पहले ही स्पष्ट हो सकता है।

आखिरकार, अगर रामसेस II है, तो रामसेस I भी होना चाहिए। हम, बेशक, ठीक से नहीं जानते कि इन सब को एक साथ कैसे रखा जाए, लेकिन उससे भी पीछे जाकर, उत्पत्ति 47:11 में रामसेस की भूमि का इस्तेमाल किया गया है। अब, यह एक कालभ्रम हो सकता है। हो सकता है कि किसी ने इसे पाठ में डाल दिया हो, लेकिन फिर भी, यह उत्पत्ति की अवधि में पहले से ही मौजूद है।

आपको इसके बारे में सोचना चाहिए। यह एक विरोधाभास है। विरोधाभास? यह उस कथन का खंडन करता है जिसमें कहा गया है कि 18वां राजवंश डेल्टा में सक्रिय नहीं था।

वास्तव में, यह था। ठीक है, इस बात के सबूत हैं कि 18वां राजवंश डेल्टा क्षेत्र में सक्रिय था, इसलिए यह 19वें राजवंश में जाने के लिए एक अच्छा सबूत नहीं होगा। यहाँ एक बड़ा सबूत है, और मैंने थोड़ा पहले इस पर ज़ोर देने की कोशिश की थी।

यदि, वास्तव में, आप इन वर्षों को संक्षिप्त करने जा रहे हैं और कहते हैं कि वे प्रतीकात्मक वर्ष हैं, और आप यह कहने जा रहे हैं कि, फिर, रामसेस द्वितीय के तहत उत्पीड़न शुरू हुआ, निर्माण, वगैरह, वगैरह, वगैरह, तो आप रामसेस द्वितीय के तहत पलायन भी करने जा रहे हैं। आपको 1220 में मेरनेप्ता के आने तक इस्राएलियों को इस्राएल की भूमि में लाने के लिए ऐसा करना होगा, और इसलिए, फिरौन में कोई बदलाव नहीं हुआ है, और फिर भी निर्गमन 2, श्लोक 23 कहता है, फिरौन की मृत्यु हो गई जिसके तहत मूसा को भागना पड़ा क्योंकि उसने मिस्त्रियों को मार डाला था और मिद्यान चला गया था और फिर वापस आ गया था। वह फिरौन मर गया।

यह दूसरी या बाद की तारीख के संदर्भ में काम नहीं करता है। और फिर पुरातात्विक सामान एक बहुत बड़ी, बहुत बड़ी तस्वीर है। यह एक आकर्षक तस्वीर है, लेकिन कुछ चीजें हैं जो हम कहना चाहते हैं।

यह बिलकुल सच है कि 12वीं सदी में विनाश का एक स्तर था। यह संभवतः फिलिस्तीनियों जैसे किसी व्यक्ति के बहुत आसानी से आने के कारण हुआ होगा। और बात यह है।

जब आप बाइबल की कहानी पढ़ते हैं, जब आप जोशुआ को पढ़ते हैं, और हम इसे करने जा रहे हैं, तो केवल तीन शहर हैं जो जलाए गए हैं। केवल तीन। जोशुआ, माफ़ कीजिए, जोशुआ।

यरीहो, ऐ और हासोर। सिर्फ़ तीन। युद्ध तो होते हैं, लेकिन इस्राएलियों की ओर से कोई विनाश नहीं होता।

इसके बजाय, वे शहरों में जाकर रहने लगते हैं, जाहिर है, कम से कम उनमें से कुछ तो ऐसा करते हैं। इसलिए, पुरातत्व उस विशेष संबंध में उतना मददगार नहीं होने वाला है। ठीक है, क्या आपको यह सब बहुत पसंद आ गया है? कुछ-कुछ ऐसा ही लगता है।

चलिए आगे बढ़ते हैं। हमारे पास निर्गमन 1 से 3 के बारे में बात करने के लिए लगभग 10 मिनट हैं। मुझे बहुत खुशी है कि आपको पहले से ही परमेश्वर की संप्रभुता के बारे में अच्छी समझ है। इसे न खोएँ क्योंकि हम इसे इस पाठ्यक्रम के बाकी हिस्सों में बार-बार देखेंगे, खासकर खुद मूसा के संबंध में।

बहुत महत्वपूर्ण। उनका जन्म स्पष्ट रूप से ईश्वर की संप्रभुता का प्रमाण है। मुझे बस, और फिर से, इन ग्रंथों को जानने दें।

मैं सभी विवरण नहीं बताऊँगा। मैंने कुछ चीजें पढ़ी हैं, लेकिन मैं कुछ चीजों पर ध्यान देना चाहता हूँ। दाइयों के बारे में।

इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि दाइयाँ सच नहीं बोलतीं। उन्हें जीवन बचाने की ज़्यादा चिंता होती है। जब बात जीवन बचाने की आती है, और खास तौर पर मासूम जीवन बचाने की, तो उन्होंने सही चुनाव किया है।

भगवान उन्हें इसके लिए आशीर्वाद देते हैं। वैसे, क्या आपने गौर किया है कि दाइयों का नाम शिप्रा और पूआ है? हम उनके नाम जानते हैं। फिरौन का नाम नहीं बताया गया है।

यही कारण है कि हमें यह पता लगाने में बहुत परेशानी हो रही है कि पलायन की तारीख क्या है। उन्होंने यह बताने की जहमत नहीं उठाई कि वह फिरौन कौन है। उसका नाम नहीं बताया गया है।

उसे बस फिरौन कहा जाता है, जो उस समय एक उपाधि थी। हमने दाइयों का नाम रखा है, जिन्हें इन बच्चों के जीवन को बचाने के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए भगवान ने आशीर्वाद दिया है। ध्यान देने वाली दूसरी बात हमारा टेवा है।

हमने पहले यह नाम या यह शब्द कहाँ देखा है? टेवा क्या है? टिम? हाँ। जब नूह जहाज़ बनाता है, तो यह टेवा होता है। और यह वह नाव है जो बाढ़ के विनाशकारी, अराजक, भयावह पानी से नूह और उसके परिवार को बचाएगी।

इसी तरह, यहाँ फिर से टेवा है। और यह ऐसा शब्द नहीं है जिसका बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए, जब आप इसे इन दो जगहों पर देखते हैं, तो कुछ दिलचस्प समानताएँ हैं जिनके बारे में हम सोचना चाहते हैं।

मूसा की जान तब नील नदी के बाढ़ के पानी की अराजकता और भयावह प्रकृति के माध्यम से बचाई जाती है। फिर से, पानी हमारे लिए पानी है। हम नदियों को देखते हैं, और वे सुंदर हैं।

प्राचीन काल में पानी डरावना और भयावह था। इसे आतंक, अशांति और अराजकता का स्थान माना जाता था। इसलिए वहां कई तरह की दिलचस्प चीजें होती थीं।

इसके अलावा, इस कथा में महिलाओं की उच्च भूमिका पर भी ध्यान दें। मूसा की बहन, मरियम, एक प्रमुख पात्र है। फिरौन की बेटी, जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, भी एक प्रमुख पात्र है।

और, बेशक, उसकी माँ, जो उसे शुरू से ही शिक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। क्योंकि मूसा जानता है कि वह कौन है। वह जानता है कि वह एक इसराइली है।

मुझे ठीक से याद नहीं कि उसने कब उसका दूध छुड़ाया। वह शायद चार या पाँच साल का रहा होगा। लेकिन मूसा को यह जानने के लिए पर्याप्त पृष्ठभूमि थी कि वह कौन है, और यह महत्वपूर्ण है।

उसे दरबार में आगे की शिक्षा मिलती है। आपने अभी उन तस्वीरों में देखा होगा कि इन खंभों, स्तंभों और दीवारों आदि पर तरह-तरह के शिलालेख हैं। मूसा का लालन-पालन उस दरबार में हुआ।

मूसा को पढ़ना-लिखना और अदालती प्रक्रियाओं से निपटना आता होगा। वह उस अदालत में वापस आने के लिए तैयार है, भले ही उसे ऐसा करने में 40 साल लग जाएँगे। फिरौन के दरबार में पले-बढ़े होने के कारण उसे उचित तैयारी मिली है।

न केवल बौद्धिक पक्ष बल्कि सामाजिक-राजनीतिक पक्ष और वह सब कुछ जो उस तस्वीर का अभिन्न अंग होगा। खैर, हम जानते हैं कि उसे मिद्यान जाना है। वह जेथ्रो की बेटी सिप्पोरा से शादी करता है, और भेड़-बकरियों की देखभाल करता है।

और यह एक बहुत बढ़िया शिक्षा है। मुझे पता है कि आपने शायद पहले भी धर्मोपदेशों में यह सुना होगा, लेकिन यह कहना होगा कि सिनाई में झुंडों की देखभाल करने से मूसा को दो अच्छी चीजें मिलीं। इससे उसे सिनाई प्रायद्वीप के बारे में पता चलता है।

वह इसे अपने हाथ की हथेली की तरह जानता है। इसलिए, जब वह लोगों को इसके माध्यम से ले जाता है, तो वह जानता है कि पानी के स्रोत कहाँ हैं। वह यह सब जानता है।

लेकिन दूसरी बात, वह यह भी जानता है कि गूंगी भेड़ों से कैसे निपटना है, जो गूंगी लोगों से निपटने के लिए एक अच्छी तैयारी है। और लोग बार-बार विद्रोही और मूर्ख बनेंगे। और मूसा एक असाधारण अच्छे नेता होने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करता है।

उसने तैयारी कर ली है। खैर, आखिरी बात जो हम करना चाहते हैं वह है अध्याय तीन को देखना। जलती हुई झाड़ी - हमने इसे रविवार स्कूल में पढ़ाया है।

लेकिन ध्यान रखें कि जलती हुई झाड़ी किस बात का प्रतीक है। जिस ज़मीन पर मूसा खड़ा है वह पवित्र ज़मीन है। वहाँ परमेश्वर की उपस्थिति है।

अग्नि का इस्तेमाल अक्सर ईश्वर की उपस्थिति और उस अग्नि की शुद्धिकरण, परिष्कार प्रकृति को दर्शाने के लिए किया जाता है। झाड़ी जल रही है, लेकिन वह जल नहीं रही है। लेकिन ध्यान दें, यह बबूल का पेड़ नहीं है।

बबूल के पेड़ सिनाई के बड़े पेड़ हैं। यह छोटा सा है, अच्छा, हिब्रू शब्द स्नेह है। यह स्नेह है, एक छोटी झाड़ी।

परमेश्वर ने मूसा की उपस्थिति में आकर उस विशेष क्षमता में आने की कृपा की है। यह बहुत दिलचस्प है। खैर, वह मूसा को संबोधित करता है।

वह कहता है, मैं वाचा का परमेश्वर हूँ। मैं वाचा का पालन करने जा रहा हूँ। मूसा कहता है, अच्छा, जब इस्राएल के बुजुर्ग मुझसे तुम्हारे बारे में पूछेंगे तो मैं तुम्हें कौन कहूँ? और, बेशक, इस बिंदु पर, हमें परमेश्वर का स्वयं का रहस्योद्घाटन मिलता है।

अध्याय तीन, श्लोक 14, बहुत महत्वपूर्ण है, और 15. परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं जो हूँ वही हूँ। यही बात तू इस्राएलियों से कहना।

मैं तुम्हारे पास भेजा गया हूँ, यहोवा, तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर, अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेश्वर, उसने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। यह मेरा नाम सदा के लिए है, वह नाम जिसके द्वारा मुझे पीढ़ी दर पीढ़ी याद किया जाएगा। दूसरे शब्दों में, वह भूत, वर्तमान और भविष्य का परमेश्वर है।

मैं हूँ, मैं कौन हूँ का भी अनुवाद किया जा सकता है; वास्तव में, इसका अनुवाद शायद बेहतर होगा; मैं वही बनूँगा जो मैं बनूँगा। ठीक है, मेरा मतलब है, यह हिब्रू का एक भविष्य का प्रकार है जिसमें केवल दो काल हैं, और यह एक भविष्य का रूप है, चाहे इस संदर्भ में इसका जो भी अर्थ हो। यह शाश्वत रूप से स्वयं-अस्तित्व में है, चल रहा है।

यह दोहराया गया है, मैं वही हूँ जो मैं हूँ, यह आश्वासन देता है। तो, मैं यहाँ पर खड़ा हूँ, हमेशा के लिए स्वयं-अस्तित्व में, वाचा का परमेश्वर। याहवे नाम, जो आपके किंग जेम्स बाइबल में यहोवा के रूप में आता है, आपके NIV बड़े अक्षरों में भगवान है।

जब भी आप अपने NIV में Lord को बड़े अक्षरों में लिखते हैं, तो इसका मतलब है कि यह Yahweh का अनुवाद है। और यह उन्हीं व्यंजनों से बना है जो to be क्रिया के मूल में हैं। मैं वही हूँ जो मैं हूँ।

मैं वही बनूँगा जो मैं बनूँगा। यह सब कुछ यहोवा नाम में समाहित है। जब हम अध्याय छह के बारे में बात करेंगे तो हम इस बारे में और अधिक बात करेंगे।

लेकिन इस समय दस बज चुके हैं, इसलिए शायद हमें रुक जाना चाहिए। बुधवार को किसी ने मुझे याद दिलाया कि चौथे अध्याय में मिस्र वापस जाने के बारे में इस दिलचस्प घटना के बारे में संक्षेप में बात करूं। क्योंकि हम इसे तस्वीर से बाहर नहीं रखना चाहते।

ठीक है, आपका दिन शुभ हो।